मारी बाणी मारा सतगुरु जाणी गोरक्ष नाथजी भजन

मारी बाणी मारा सतगुरु जाणी,
गोरख जी आया जिण दिन,
पवना पाणी ओ जी।bd।

अंड नहीं होता दाता पंड नहीं होता,
जल पवन का बीज नहीं होता।bd।

धरती बरसे दाता अंबर भिंजे,
निवालिया को पाणी बलिन्डा में छिजे।bd।

भेंस बिलोवे दाता खूंटों दुजे,
उबोडो पाडियो कोगत देखे।bd।

धोबीडो धोवे दाता सिला निचोवे,
धोबी की गांठ दाता कपडा बांधे।bd।

ईण नंगरी में दाता तेलण राणी,
घाणी करे दाता बिना बल्द पाणी।bd।

मछेन्दर प्रताप जती गोरख बोले,
उल्टी बाणी ने सुल्टी कर खोले।bd।

मारी बाणी मारा सतगुरु जाणी,
गोरख जी आया जिण दिन,
पवना पाणी ओ जी।bd।

गायक – प्रकाश नाथ जी मियाला।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com